ईश्वर एक ही है

ईश्वर एक ही है पूजा अलग-अलग होती है.....

ब्रह्मा को मना लो चाहे विष्णु को मना लो,
चाहे भोले पर दूध चढ़ा लो,
क्रिया एक ही है पूजा अलग-अलग होती है.....

काली को मना लो चाहे चंडी को मना लो,
चाहे दुर्गे पर चुनर उड़ा लो,
मैया एक ही है मूरत अलग-अलग होती है.....

गंगा में नहा लो चाहे जमुना में नहा लो,
चाहे सरयू में गोता लगा लो,
जल तो एक ही है धारा अलग-अलग होती है.....

गीता पढ़ लो चाय रामायण पढ़ लो,
पढ़-पढ़ के तुम अर्थ लगा लो,
भाषण एक ही है या अलग अलग होती है.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31568/title/ishwar-ek-hee-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |